नई दिल्ली, मंगलवार
2 जनवरी 2018
राजधानी
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 14+4=18

# दैनिक जागरण

www.jagran.com
दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पं. बंगाल से प्रकाशित

दिल्ली को हरा विदर्भ ने रणजी जीतकर रचा इतिहास } 10
अधिक ऊंचाई पर जवानों की तैनाती अवधि घटेगी: राजनाथ } 11

## राजधानी में कोहरे के साथ अभी और गहराएगा वायु प्रदूषण

### दो-तीन दिन आपातकालीन हालात बने रहने के आसार, सीपीसीबी और ईपीसीए हुए अलर्ट, बुलाई टास्क फोर्स की बैठक

संजीव गुप्ता • नई दिल्ली

नए साल का आगाज जिस घने कोहरे और स्मॉग से हुआ है, वह अभी कई दिन बने रहने के आसार हैं। स्थिति अभी और विकट हो सकती है। मंगलवार को दिल्ली एनसीआर में ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) का इमरजेंसी प्लान भी लागू हो सकता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण संरक्षण प्राधिकरण (ईपीसीए) ने भी मौके की नजाकत भांपते हुए मंगलवार को टास्क फोर्स की आपात बैठक बुला ली है। सोमवार को नए साल के पहले ही दिन जबरदस्त कोहरा होने और हवा की स्थिति कम होने के कारण कोहरा स्मॉग में बदलता गया। दोपहर में मिक्सिंग हाइट 1240 मीटर थी, लेकिन 4.31 बजे यह 710 मीटर रह गई। 5 बजे यह 171 मीटर रह गई। यानी कोहरे के साथ जो प्रदूषक तत्व थे वे नीचे आ गए। उधर, तापमान घटने लगा। 2 बजकर 44 मिनट पर अधिकतम तापमान जो 18.6 डिग्री सेल्सियस था वह 4 बजकर 21 मिनट पर 17.8 डिग्री सेल्सियस और पांच बजकर 44 मिनट पर घटकर 15.7 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। दोपहर में हवा की दिशा दक्षिणपूर्वी थी शाम को उत्तरपूर्वी हो गई और देर शाम तक उत्तरी हो गई। ऐसे में वायु प्रदूषण का स्तर भी बहुत गंभीर हो गया। 4 बजे एयर क्वालिटी इंडेक्स 398 था, जो शाम 5 बजे 401 पहुंच गया। हवा की गति लगभग बंद हो गई और मौसम विभाग ने केंद्रीय प्रदूषण बोर्ड को अपनी सलाह में अगले दो से तीन दिन तक इसी तरह की स्थिति बनी रहने की संभावना जताई है। ऐसे में सीपीसीबी और ईपीसीए दोनों अलर्ट हो चुके हैं। मंगलवार को टास्क फोर्स की आपात बैठक बुला ली गई है। मंगलवार को इस ही इस स्थिति के 48 घंटे भी पूरे हो जाएंगे। उसके साथ ही दिल्ली में इमरजेंसी प्लान लागू हो सकता है। तमाम भवन निर्माण संबंधी गतिविधियां बंद हो जाएंगी। एनसीआर में ईंट भट्ठे, हाट मिक्स प्लांट, स्टोन क्रेशर इत्यादि बंद हो जाएंगे। दिल्ली सहित एनसीआर के छह शहरों में ऑड-इवेन भी स्वतः लागू हो जाएगा।

सनद रहे कि इस बार ऑड-इवेन में इमरजेंसी सेवा को छोड़कर किसी को भी छूट नहीं होगी। यह नियम दोपहिया वाहनों पर भी लागू होगा। सीपीसीबी सूत्रों के मुताबिक कोहरे के साथ बहुत अधिक वायु प्रदूषण बढ़ने की एक वजह जगह-जगह पर हाथ सेंकने के लिए लगाई जा रही आग भी है। लोग ठंड से बचने के लिए प्रतिबंध के बावजूद अलाव का सहारा ले रहे हैं। लोग लकड़ियां, कूड़ा, तार और प्लास्टिक का सामान जला रहे हैं। नगर और निगम दिल्ली सरकार के स्तर पर कोई सख्ती देखने को नहीं आ रही है। जागरण से बातचीत में सीपीसीबी के सदस्य सचिव के सुधाकर ने मौजूदा स्थिति को गंभीर ही नहीं, बल्कि खतरनाक भी माना है। दिल्ली-एनसीआरवासियों को स्वास्थ्य संबंधी तमाम एहतियात बरतने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि शीतकालीन अवकाश के कारण स्कूल तो बंद हो ही गए हैं। इस समय बच्चे बुजुर्ग व महिलाओं को चाहिए कि वे बाहर कम निकलें। वे घर में अधिक से अधिक समय बिताएं। श्वास संबंधी रोगों के मरीजों को और एहतियात बरतने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को स्थिति की नजाकत को देखते हुए आगे की रणनीति तय की जाएगी।

छाया घना कोहरा ... नववर्ष के प्रथम दिन बोट क्लब के पास छाए घने कोहरे से गुजरते लोग • ध्रुव कुमार

### साल के पहले दिन ही गैस का चैंबर बनी राजधानी

जासं, नई दिल्ली : नववर्ष के पहले दिन ही राजधानी कोहरे की चादर से जहां लिपटी रही, वहीं प्रदूषण के स्तर में बेतहाशा वृद्धि के कारण राजधानी गैस के चैंबर में तब्दील हो गई। राजधानी के विभिन्न स्थानों पर प्रदूषण तत्व पीएम 2.5 का स्तर खतरे के निशान से ऊपर दर्ज किया गया। सबसे अधिक प्रदूषित रहने वाले स्थलों में से एक आनंद विहार में दोपहर 12 बजे से शाम 7 बजे तक प्रदूषण का स्तर 500 माइक्रोग्राम प्रतिघन मीटर से अधिक दर्ज किया गया। अन्य कई स्थलों पर यह सामान्य से पांच गुना अधिक दर्ज किया गया। सिस्टम आफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फारकास्टिंग एंड रिसर्च (सफर) के अनुसार राजधानी में औसतन पीएम 2.5 का स्तर 240 माइक्रोग्राम प्रतिघन मीटर दर्ज किया गया। यह रविवार की अपेक्षा 8 माइक्रोग्राम प्रतिघन मीटर अधिक है। सफर ने यह आंकड़ा बढ़ने की बात कही है।

**आनंद विहार में ऐसे बढ़ा पीएम 2.5 का स्तर**

सोमवार को 12 से 7 बजे तक क्रमशः बढ़ा प्रदूषण का स्तर

| | |
|---|---|
| 12 बजे | 540 |
| 1 बजे | 548 |
| 2 बजे | 562 |
| 3 बजे | 576 |
| 4 बजे | 586 |
| 5 बजे | 581 |
| 6 बजे | 572 |
| 7 बजे | 562 |

**सीपीसीबी के अनुसार शाम 7 बजे प्रमुख स्थानों पर प्रदूषण का स्तर**

| | |
|---|---|
| आनंद विहार | 522 |
| पंजाबी बाग | 445 |
| आरकेपुरम | 381 |
| मंदिर मार्ग | 382 |
| लोधी रोड | 350 |

### कोहरे के आगे नतमस्तक रेल व हवाई यातायात

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : दो दशक के संघर्ष के बावजूद भारत के रेल एवं हवाई परिवहन क्षेत्र कोहरे पर विजय प्राप्त नहीं कर सके हैं। दावों के बावजूद हर साल दिसंबर-जनवरी में इनकी पोल खुल जाती है। इस साल भी दोनों क्षेत्र कोहरे के आगे घुटने टेकते दिखाई दे रहे हैं। ट्रेनें बीस-बीस घंटे लेट चल रही हैं और उड़ानों का शेड्यूल अस्तव्यस्त हो गया है। कोहरे के प्रति रेल और विमानन मंत्रालय का रवैया कुछ वैसा ही है, जैसा प्रदूषण को लेकर पर्यावरण मंत्रालय और दिल्ली सरकार का। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के भय से प्रदूषण के खिलाफ तो कुछ होता भी है। लेकिन, रेलवे और विमानन मंत्रालय को किसी का डर नहीं। इसलिए यात्रियों की मुश्किलों के बावजूद सिर्फ दुर्घटना रोकने के उपाय होते हैं। यह अलग बात है कि कोई न कोई रेल हादसा सर्दियों में हो ही जाता है। हमेशा की तरह इस साल भी रेलवे ने कोहरे से निपटने के 'ट्राइड एंड टेस्टेड' उपाय किए हैं। लेकिन, इससे पहले से लेटलतीफ ट्रेनें और लेट चलने लगी हैं। हालात यह है कि यात्री कन्फर्म टिकट कैंसिल कराने को मजबूर हैं। ऐसे में लोग सवाल पूछने लगे हैं कि ट्रेन प्रोटेक्शन एंड वार्निंग सिस्टम, ट्रेन कोलीजन अवाइडेंस सिस्टम, त्रि-नेत्र और फॉग सेफ डिवाइस जैसी बहुप्रचारित प्रणालियों का क्या हुआ? क्या इन्हें केवल ट्रायल के लिए लाया जाता है? एलईडी फॉग लाइट लगाने की बात भी हो रही है। मगर पायलट से आगे बात अटक जाती है। विमानन क्षेत्र का हाल भी अलग नहीं है। हर साल सर्दियों से पहले डीजीसीए हवाई अड्डों और एयरलाइनों के लिए एडवाइजरी जारी करता है। बैठकें होती हैं। दावे किए जाते हैं कि इस बार कोहरे से निपटने के लिए फलां तकनीक अपनाई जा रही है, अमुक उपकरण लगाए गए हैं। इस बार भी एडवाइजरी के बाद डायल ने दावा किया था कि दिल्ली एयरपोर्ट के तीनों रनवे (28, 29 और 11) कैट-3बी सुविधाओं से लैस हैं, जिन पर इस तकनीक में प्रशिक्षित पायलट 50 मीटर तक की कम दृश्यता पर भी आसानी से लैंडिंग कर सकते हैं। इसके अलावा 139 पार्किंग स्टैंड को एरोनॉटिकल ग्राउंड लाइटिंग सिस्टम से सुसज्जित कर दिया गया है और एयरक्राफ्ट मूवमेंट के वक्त पायलट के मार्गदर्शन के लिए जीपीएस से लैस वाहनों वाली 'फॉलो मी सर्विस' भी शुरू की जा चुकी है। किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए जगह-जगह क्रैश फायर टेंडर भी लगाए गए हैं। लखनऊ एयरपोर्ट कैट-3बी प्रणाली से लैस है। इसके बावजूद उड़ानों का बुरा हाल है। जब ये हाल कैट-3बी समर्थ एयरपोर्ट का है तो श्रीनगर, अमृतसर, चंडीगढ़, पटना, वाराणसी के बारे में जरा सोचिए, जहां अभी ये प्रणाली लगी नहीं है। कहने को ज्यादातर एयरलाइनों ने कैट-3बी का प्रमाणपत्र ले लिया है। लेकिन, कोहरे के आगे इनके विमानों और पायलटों की संख्या ऊंट के मुंह में जीरा से ज्यादा नहीं है।

### आज भुवनेश्वर राजधानी व पूर्वा एक्सप्रेस रद

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : साल के पहले दिन मौसम की वजह से रेल परिचालन बुरी तरह से बाधित हुआ। सोमवार को चलने वाली पटना राजधानी और भुवनेश्वर राजधानी सहित कई ट्रेनें मंगलवार को सुबह रवाना होंगी। इस कारण यात्रियों को इस कड़ाके की ठंड में ठिठुरते हुए प्लेटफॉर्म पर रात गुजारनी पड़ी, वहीं मंगलवार को भुवनेश्वर राजधानी (22824) और पूर्वा एक्सप्रेस (12382) को निरस्त कर दिया गया है, जबकि दिल्ली-फाजिल्का एक्सप्रेस बठिंडा तक चलेगी। कोहरे ने ट्रेनों की रफ्तार धीमी कर दी है। कई दिनों से ट्रेनें देरी से चल रही हैं, लेकिन सोमवार को यह परेशानी और बढ़ गई। पूर्व दिशा की ओर से आने वाली लगभग सभी ट्रेनें देरी से दिल्ली पहुंचीं। पंजाब की ओर से आने वाली ट्रेनों का भी यही हाल है। नई दिल्ली से सोमवार को रवाना होने वाली महाबोधि एक्सप्रेस मंगलवार सुबह 7 बजे चलेगी। मगध एक्सप्रेस लगभग नौ घंटे की देरी से मंगलवार 5 बजे रीवा एक्सप्रेस 10 घंटे की देरी से मंगलवार साढ़े छह बजे चलेगी।

**सोमवार को देरी से रवाना से होने वाली मुख्य ट्रेनें**

| ट्रेन | विलंब | ट्रेन | विलंब |
|---|---|---|---|
| पटना राजधानी | 12.35 घंटे | महाबोधि एक्सप्रेस | 19 घंटे |
| भुवनेश्वर राजधानी | 11.25 घंटे | कैफियत एक्सप्रेस | 13.15 घंटे |
| सियालदह राजधानी | आठ घंटे | फरक्का एक्सप्रेस | 11.40 घंटे |
| भागलपुर गरीब रथ | सात घंटे | फिरोजपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस 11.15 घंटे | |
| कोलकाता राजधानी | सवा सात घंटे | पुरबिया एक्सप्रेस | 10.50 घंटे |
| सिकंदराबाद दूरंतो | सवा सात घंटे | पूर्वा एक्सप्रेस साढ़े दस घंटे | |
| | | नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस | 10 घंटे |
| अमृतसर स्वर्ण शताब्दी | सवा छह घंटे | रीवा एक्सप्रेस सवा नौ घंटे | |
| | | मगध एक्सप्रेस | पौने नौ घंटे |
| सियालदह दूरंतो | पांच घंटे | जोधपुर एक्सप्रेस | पौने नौ घंटे |
| कालका शताब्दी | साढ़े चार घंटे | नंदन कानन एक्सप्रेस | साढ़े आठ घंटे |

### शताब्दी में रात भर बैठकर पूरा हुआ कष्टदायी सफर

जासं, लखनऊ : एसी एक्जक्यूटिव का 1955 और एसी चेयरकार का 1340 रुपये का टिकट खरीदकर भी लखनऊ से नई दिल्ली जाने वाली शताब्दी एक्सप्रेस के यात्री खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। रविवार को लखनऊ से रवाना शताब्दी एक्सप्रेस ने नई दिल्ली पहुंचने में 6:40 घंटे की जगह 15:15 घंटे लगा दिया। कुछ ऐसा ही हाल सोमवार को रवाना हुई शताब्दी एक्सप्रेस का भी रहा। सोमवार को ट्रेन दोपहर 3:35 बजे के स्थान पर रात 9:05 बजे रवाना हो सकी वापसी में सोमवार सुबह 8:10 बजे शताब्दी एक्सप्रेस को नई दिल्ली से लखनऊ के लिए रवाना किया। ट्रेन 7:15 घंटे की देरी से शाम 7:55 बजे पहुंची।

### कोहरे के कारण सड़क हादसे में चार घायल

जासं, दक्षिण दिल्ली : ओखला इलाके में रविवार देर रात कोहरे के कारण सूमो और ट्रक आमने-सामने भिड़ गए। ट्रक की रफ्तार तेज होने के कारण सूमो का बोनट ट्रक के नीचे फंस गया। इससे सूमो में सवार चार लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी को बाहर निकाला गया और उपचार के लिए एम्स ट्रॉमा में भर्ती कराया गया। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। ओखला पुलिस मामला दर्ज कर ट्रक के नंबर के आधार पर आरोपी चालक की तलाश कर रही है। घायलों की पहचान कुंआ चुंगी निवासी मो. जुबेर लाल, राऊफ अहमद, सिमन अली और कासिम के रूप में हुई है।

---

BENNETT, COLEMAN & CO. LTD. | ESTABLISHED 1838 | NEW DELHI | TUESDAY, JANUARY 2, 2018 | PAGES 32 | CAPITAL | INVITATION PRICE ₹4.50; ₹7.00 WITH ET OR ₹8.50 WITH NAVBHARAT TIMES

# THE TIMES OF INDIA

INCLUSIVE OF DELHI TIMES | TIMESOFINDIA.COM | EPAPER.TIMESOFINDIA.COM

JAFFER KEEPS PERFECT RANJI FINAL RECORD AS VIDARBHA TRIUMPH 23
THE NUCLEAR BUTTON IS ALWAYS ON MY DESK, KIM WARNS AMERICA 20

IT'S TIME TO EXAMINE OUR RELATIONSHIP WITH TECH, WRITES ARIANNA HUFFINGTON 10

## Capital stares at emergency as air quality falls sharply again

Jasjeev.Gandhiok
@timesgroup.com

**New Delhi:** The capital woke up to a thick blanket of fog on the first day of the new year with the mercury plummeting to 5.7 degrees Celsius — the season's lowest. There was "zero" visibility early in the morning. Things improved over time, but visibility continued to remain poor all day. Delhi's overall Air Quality Index, which was hovering in the "very poor" zone around 4pm, slipped into the "severe" category by evening, crossing the 400 mark.

There was little respite at the time of going to press with visibility remaining poor. Meanwhile, NCR's average PM2.5 was above "emergency" limits, with the fog not allowing particular matter to disperse easily. Met officials predicted similar weather over the next two days. "There will be dense fog on Tuesday as well. Weather conditions will likely remain the same. On Wednesday, there will be dense fog in the morning, but the intensity may reduce by afternoon. These conditions also mean that the mercury will keep dropping. Temperatures may dip to 5.7 degrees Celsius by January 4-5," Kuldeep Shrivastav, scientist at the Regional Weather Forecasting Centre, said.

The maximum temperature on Monday was 20.1 degrees Celsius — a notch above normal. Forecasts for Tuesday showed a maximum and minimum of 20 and 5 degrees Celsius, respectively. Cold weather conditions prevailed in western UP as well, with Meerut recording a maximum temperature of 14.8 degrees Celsius.

Central Pollution Control Board officials, meanwhile, issued an alert, asking people to be careful over the next few days due to the foggy conditions, which might result in air quality worsening further.

### HOW POLLUTION HOTSPOTS FARED

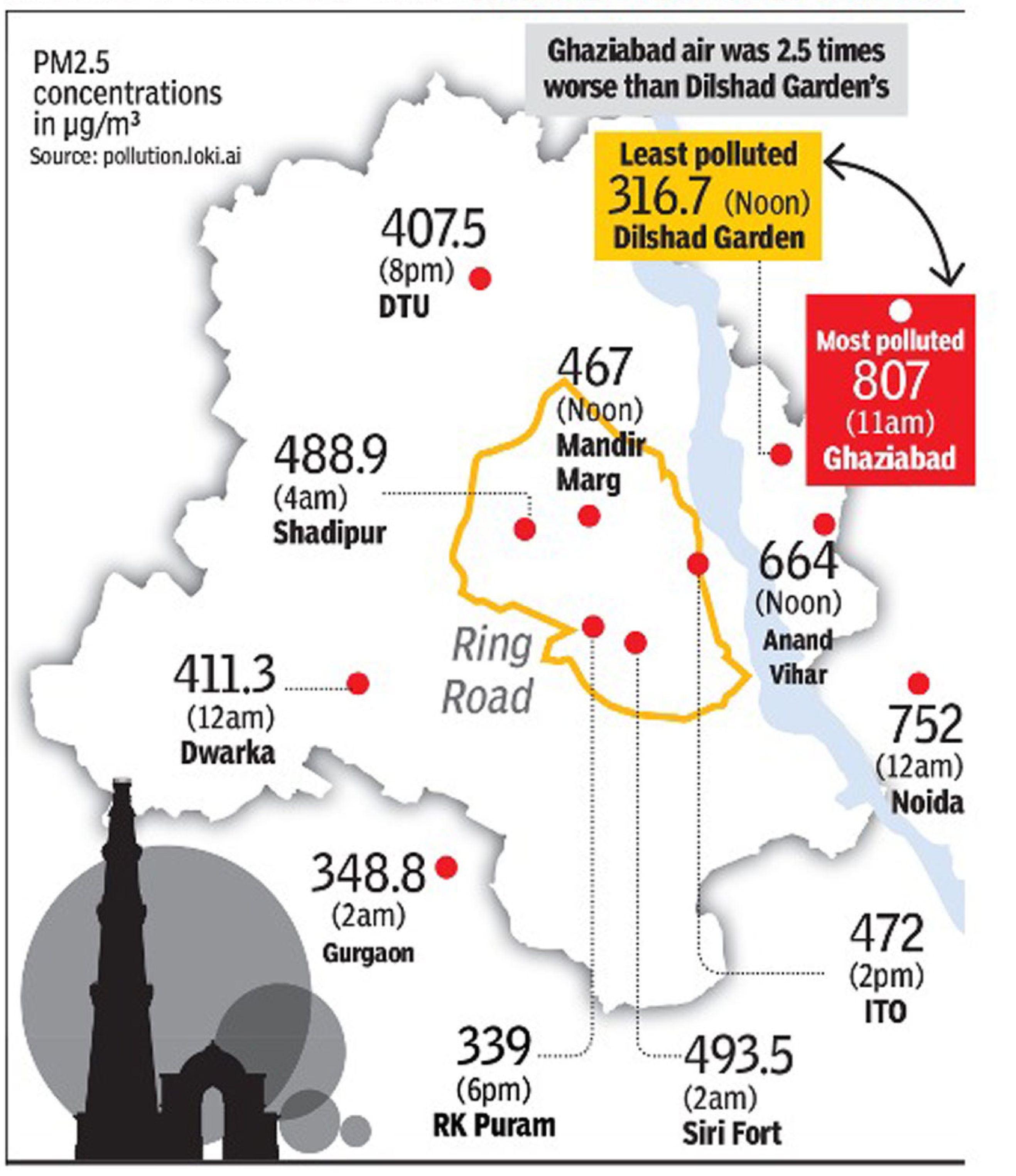


A Sudhakar, member secretary at CPCB, said the board would hold a meeting with the transport department on Tuesday to discuss the future course of action. "Conditions are expected to be bad for the next 2-3 days. We want people to be careful as dense fog will continue, which will result in poor visibility and air quality. While it's normal for this time of the season as winds bring in moisture from the north, the humidity is currently above 90%, which is resulting in dense fog. We will discuss what emergency action needs to be taken on Tuesday," Sudhakar said.

By 7pm on Monday, average PM2.5 had been above 300 micrograms per cubic metre for five consecutive hours whereas average PM10 hovered around 500 micrograms per cubic metre — the limit that triggers "emergency" or "severe plus" measures under the Graded Response Action Plan devised by the SC-mandated EPCA. If both PM2.5 and PM10 stay above this limit for 48 hours or more, emergency measures, such as a stop on construction activity, ban on entry of trucks and enforcement of the odd-even scheme, kick in. Sources, however, said EPCA and other authorities might not wait for 48 hours, rolling out some "severe plus" measures as early as Tuesday.

In terms of AQI, it was the most polluted January 1 in the last three years, according to CPCB data. While on Monday, the AQI was 400, it was 344 on the first day of 2017 and 391 on January 1, 2016. Among neighbouring cities, air quality was "severe" in Ghaziabad, Noida and Faridabad. The Gurgaon air, however, was in the "very poor" category with an AQI of 378.